भक्ति-प्रकाश

में

कठिन शब्दों के अर्थ

Shree Ram Sharnam, International Spiritual Centre, 8A, Ring Road, Lajpat Nagar - IV, New Delhi - 110 024, INDIA
www.shreeramsharnam.org

भक्ति प्रकाश (शब्दकोष)

पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	अर्थ
१	१	धनी	स्वामी,मालिक
१	२	स्फुरित	प्रकट करना
१	४	हेतु	के लिए,कारण
१	६	विभूति	दिव्य अलौकिक शक्ति
१	१६	स्वस्ति	कल्याण, भला
१	१६	निधान	आधार, आश्रय, कोश
१	१८	निःशेष	पूरा समाप्त,नष्ट
२	२	सुकृत	शुभ कर्म
२	४	अनूप	सुन्दर,बेजोड़, अद्भुत, श्रेष्ठ
२	७	हृत्मंडल	हृदय, हृदय सम्बंधी
२	६	अशरण शरण	बेसहारों का सहारा, निराश्रित का आश्रित
२	१०	विधान	व्यवस्था, आयोजन
२	१२	दयानिधान	दया करनेवाला,दयालु
२	१५	अंजलि	दोनों हथेलियों को मिलने से बना गढ्ढा
३	४	पुलकित	प्रेम और हर्ष से रोंगटे खड़े होना,आनन्दित
३	१०	महामहिमामय	महाप्रतापी, सर्वसमर्थ
३	११	निरंजन	अवगुण-दोष रहित,
३	११	निर्लेप	विषयों आदि से अलग रहने वाला
३	१२	विक्षेप	बिना बाधा औरविघ्न के
३	१३	स्रोत	आधार, source
३	१५	अक्षय	जिस में कमी न हो
३	१८	श्रुति	सृष्टि के आरम्भ से चला आया पवित्र ज्ञान,वेद आदि
४	५	तीर्थ	पवित्र धाम, पवित्र करने का स्थान
४	६	धारणा	पक्का निश्चय
४	१४	भक्ति भाजन	भक्ति करने योग्य(पात्र)
४	१५	अर्चन	पूजा, सत्कार
४	१६	अभंग	बिना टूटे, लगातार
४	१८	अक्षत	बिना टूटे चावल जो पूजा में काम आते हैं
४	१८	रसाल	आम (फल)(प्रेम रुपी)
४	२३	नैवेद्य	प्रार्थना सहित सुन्दर भाव जो देवता को चढ़ाने योग्य हो।
५	१	अधूम	बिना धुएं के
५	८	अहर्निश	दिन रात
५	६	ओंकार	ॐ जो आदि शब्द है
५	११	भाल	माथा
५	१२	असंख्य	अनगिनत
५	१३	गहूं	पकडूं
५	१८	बिरद	अपना फर्ज़, यश, कीर्ति, fame
५	२०	ओट	शरण
५	२३	विभो	सर्वशक्तिमान् सर्वव्यापी प्रभु
५	२४	धरणी	पृथ्वी
६	१	विनीत	नम्र
६	६	कर्मकाण्ड	कर्म कलाप (सारे कार्य)
६	११	गात	शरीर
६	१५	वाद्य	गाने बजाने की चीज़ें
६	१६	अलख	जो दिखाई न पड़े
६	१६	विविध अनाहद	अनेक सूक्ष्म संगीत जो आप के भीतर परमेश्वर कृपा से हों
६	२०	खेद	दुःख
७	४	नभ	आकाश
७	८	अद्भुत	अनोखा
७	११	भय भंजन	डरको दूर करने वाला
७	१७	रति	रमणीक, सुन्दर
७	१७	मोद	प्रसन्नता
७	१७	सुमति	सुबुद्धि
७	२३	घोष	शब्द, ध्वनि

(ख)

पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	अर्थ
७	२४	सुतोष	गहन सन्तोष
८	३	पुंज	समूह, ढेर
८	४	आदित्य वर्ण	सूर्य का रंग
८	५	अस्ति	सत्ता होना, विद्यमानता
८	५	भाति	प्रकाश, ज्ञान
८	६	विभु	सर्वव्यापक, महान
८	१०	कारण-करण	करने वाला (कर्त्ता)
८	१४	अधिराज	स्वामी, मालिक, जिसके आधीन
६	१	प्रत्याकृति	reflection, छाया
६	१	बिम्बित	परछाई(रुप)
६	४	वृत्ति	विचार
६	४	केन्द्रित	एक स्थान पर एकत्रित कर के to centralise
६	६	विस्तार	फैलाव
६	१२	संहार	चोट, आघात
६	१७	सर्वनियन्ता	सब को नियमित (control) में करने वाला
६	२२	अविचल	न बदलनेवाला,अटल
६	२२	टेक	नियम principle
६	२३	नियति	बनाये हुए, निर्माण
१०	३	अण्ड	अणु, परमाणु, atom
१०	१८	चिन्तामणि	सब चिन्ताओं को दूर करने वाली
१०	१६	दैव-संयोग	हरि कृपा से
११	३	पारब्रह्म	Supreme being
११	६	निर्विकार	बिना विकार(त्रुटि) वाला
११	६	भुवनेश	जगत का स्वामी
११	११	ग्राम	घर
११	१२	गरिमा	महिमा, गौरव
११	१५	चक्षु अचर्म	दिव्य, आन्तरिक नेत्रों से
११	१५	अर्चित	पूजा किया गया
११	१५	शुचि	पवित्र, स्वच्छ
११	१८	विधायक	रचयिता
१२	४	विख्यात	प्रसिद्ध
१२	१३	अगाध	बहुत गहरा, जिसका कोई पार न पा सके
१२	१८	सरिता	नदी
१२	२२	जंगम	चलने, फिरने वाला
१२	२३	नारायणी	भगवान्, ईश्वर की
१२	२४	नीरव	चुप, मौन
१३	२	विस्मित	हैरान
१३	२	मतिमन्त	चतुर, बुद्धिमान
१३	८	सुस्थिर	ठीक ठहरी हुई
१३	६	मूक	चुप
१३	१०	अचूक	बिना गलती के
१४	२	सुरसम	देवताओं जैसा
१४	१७	अकम्प	बिना थिड़के, बिना कम्पन के
१४	१७	मेरु	पर्वत
१५	४	मीन	मछली
१५	८	मृदु	कोमल
१५	६	कलिमल	कलुषित पाप से मैला
१६	७	शुभ्र	सफेद, उजली
१६	८	शारदी	आश्विन मास की पूर्णिमा
१६	१२	सुवृत्ति	सुन्दर विचार (कार्य) मन, भाव
१६	१२	वेश	वस्त्र
१६	२१	अमीरस	अमृत
१६	२२	कूंट	दिशाओं में
१७	७	सुधा संचित	प्रेम अमृत से सींचा
१७	७	ललित	सुन्दर

(ग)

पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	अर्थ
१७	८	नेह	प्रेम
१७	१७	अनुभूत	अनुभव किया हुआ
१८	४	सरस	मधुर (मीठी)
१८	११	हृदय तंत्री	हृदय की तार (धड़कन)
१८	१८	घर्षण	रगड़
१८	१६	विद्युत	बिजली
१८	२१	रश्मि निवेश	किरण का प्रवेश करना
१६	१०	सौर	सूर्य सम्बन्धी
१६	११	प्रदक्षिणा	परिक्रमा(चक्कर काटना)
१६	१२	बटु	बालक, ब्रह्मचारी, शिष्य
१६	१७	आकर्षण	खिंचाव
१६	२१	अल्प	छोटे को,थोड़े को
२०	४	आत्म रवि	अध्यात्मिक सूर्य
२०	७	समीर	वायु
२०	१८	सलिल	जल
२०	१८	उर	हृदय
२०	१८	सुसोत	सुन्दर झरना
२१	२	संचित	इकट्ठी
२१	५	निपट निशा	भंयकर रात
२१	५	तम	अन्धकार
२१	६	निहार	देख लूं
२१	८	शमता	शान्ति
२१	१६	सब याम	हर समय
२२	५	कलाप	समूह
२२	६	उद्यम	परिश्रम, मेहनत, प्रयास
२३	१२	अनुग्रह	कृपा, दया
२३	१४	तुष्टि सुपुष्टि	संतोष, स्वास्थ्य
२३	१७	विविध	भिन्न प्रकार के
२३	१७	व्यंजन	cooked food
२३	१८	सुप्रताप	सुकृपा, सामर्थ्य
२४	८	पोत	जहाज़
२४	१३	पंक	कीचड़
२४	२०	भिक्षु	भिखारी
२४	२२	भक्त वत्सल	भक्तों को प्यार करने वाला
२५	२०	पारावार	आर पार, सीमा
२६	६	अलभ्य	कठिनता से प्राप्त
२६	६	मिष्ट	मीठे
२६	१०	उत्संग	गोद
२६	२२	दिव्य	अलौकिक, स्वर्ग की वस्तु, Divine
२६	२२	दीवान	बैठने का स्थान
२६	२३	अभिराम	सुन्दर
२७	१२	क्षेम	कुशल, मंगल
२७	१२	निस्तार	मुक्ति
२७	कामना	कमल कुंज	इच्छा रुपी फूल(कमल) की वाटिका (फुलवारी)
२७	१४	विराम	रुकना
२८	१५	कोन	कोना
२८	२१	विलास	प्रसन्न करने वाली क्रिया, प्रफुल्लित
२६	३	शाम्भवी मुद्रा	भगवान् शिव जैसी समाधि की क्रिया
२६	४	कृति	रचना
२६	६	निरखूं	देखूं
२६	१०	सर्जनहार	संसार को बनाने वाला
२६	१७	अदीन	स्वच्छन्द
२६	२०	तीर	किनारे
२६	२४	पुरसरी	नगर की ओर जाती हुई
२६	२४	सुरी	देवांगना
३०	३	कांचन कर	सोने के हाथ से
३०	७	निशा	रात
३०	८	उद्गार	प्रकट
३०	१३	पल्लव	नये निकले कोमल पत्ते
३०	२१	भानु	सूर्य
३०	२३	शैल	पर्वत
३०	२४	सविता	सूर्य

(घ)

पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	अर्थ
३१	७	रम्य	सुन्दर
३१	७	रमणीक	लुभाने वाला
३१	८	निर्भीक	निडर
३१	१३	मधुकर	भंवरा
३१	१६	पराग	फूलों पर जमी धूल Pollen
३१	२३	वनराजी	वृक्षों का समूह
		हो राजती	शोभायमान हो
३१	२४	विविध	भिन्न
३२	५	तरुगण	वृक्षों का समूह
३२	६	मण्ड	सजा रहा हो
३२	७	चन्दोआ	मंडप
३२	१६	गवेषण	ढूंढने
३२	२१	त्राण	मुक्ति, बचाव
३२	२३	गिरी	पर्वत
३२	२३	गुहा	गुफा
३२	२३	कन्दरा	गुफा
३२	२३	निर्वात	बिना वायु के
३३	५	अन्तकरण	चित्त, मन, आत्मा (अन्तरात्मा)
३३	८	विमान	जहाज़
३३	११	उद्यान	बाग
३३	२०	आगत	आने वाले का
३३	२२	सुखरास	सब सुखों का धाम
३४	१	दुष्कर	कठिन
३४	३	जांगल	वन के
३४	४	वसन	वस्त्र
३४	५	जरावश	बुढ़ापे के कारण
३४	८	उष्मा	गरमी
३४	१५	पुष्करणी	कमलों का तालाब
३४	१६	रजनी नाथ	चन्द्रमा
३४	२१	चिदाकाश	चित्त के आकाश में
३४	२३	कृष्णा	काली
३५	१	हिंस्र	मारने वाले
३५	१	नाग	सांप
३५	६	निरंजन	निर्मल
३५	१०	अशेष	समाप्त
३५	१३	अमराई	आम का पेड़
३५	२०	पत्रित तरु	पत्तों वाले वृक्ष
३६	२	गमनागम	आना जाना
३६	२	महापोत	बड़े जहाज़
३६	७	लावण्य	सुन्दरता
३६	११	जलपात	झरना
३६	१३	रवि बिम्ब	सूर्य की परछाई
३६	१५	रश्मि	किरण
३६	१६	सोम	चन्द्रमा
३७	१	दर्पण	शीशा
३७	३	एषणा	इच्छा
३७	११	अवैध	अनुचित, विधि विरुद्ध
३७	११	वादी	बहस करने वाला
३७	१२	उन्माद	मान का मद पागलपन
३७	१७	वितण्डा	व्यर्थ का विवाद, दूसरे की बात की उपेक्षा करके अपनी बात कहे जाना
३७	२०	वज्र	पत्थर
३८	१	विभूशा	गहनों की सजावट
३८	२	आभ	शोभा, कान्ति
३८	७	कुशाग्र	तीव्र, तेज़
३८	८	तर्कना	युक्ति, दलील
३८	१८	पौन	पौना
३९	१	वेदना	पीड़ा
३९	८	शिवसार	मंगलकारी
३९	२०	ओषधि	दवाई
३९	२०	छकाय	तृप्त करके
३९	२४	धृति	धैर्य
४०	२	मोद	प्रसन्नता
४०	२	सुधाकर	अमृत
४०	८	अनुराग	प्रेम
४०	१५	पगे	लीन, involved

(ड़)

पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	अर्थ
४०	१६	विलास	सांसारिक, materialism
४०	२०	अणु	बहुत छोटा, जो कठिनता से दिखे
४१	२	आगम	वेद शास्त्र, श्रुति
४२	३	लखो	देखो
४२	१०	चारुता	सुन्दरता
४३	८	श्येन	बाज़
४३	११	धाय	दौड़ें
४३	२२	थाह	गहराई, अन्त तक
४३	२४	विद्युत	बिजली
४४	१	सुरभि	सुगन्ध
४४	१५	वेगवती	तेज़
४५	१	पाश	बन्धन
४५	४	दावानल	जंगल की आग
४५	८	दामिनी	बिजली
४६	३	भीत	दीवार
४६	८	नेम	नियम, धार्मिक क्रियाओं का पालन करना
४६	१३	लवलेश	थोड़ा-सा
४६	१५	मर्म	भेद
४७	१४	निजू	अपने
४७	१४	मूंद	बन्द कर दी
४८	२	शारीरी	शरीर में रहने वाला जीवात्मा
४८	५	नोन	नमक
४८	७	तद्रुप	वैसा ही
४८	८	अलौकिक	जो इस लोक का न दीख पड़े, असाधारण
४८	१६	आभ	शोभा, कान्ति
४९	१	टेक	सहारा, आश्रय, ढासना
४९	२	छेक	सुराख, विभाग
४९	२४	सुमन	पुष्प
५०	३	अवलम्बन	सहारा
५०	३	आश लता	आशा रुपी बेल
५१	१४	मिथ्या	झूठ
५१	२२	खेद	दुःख, रन्ज
५२	६	विख्यात	प्रसिद्ध
५२	२४	बोधक	जानने वाला
५३	१	उपरति	विषय से वैराग, निष्पक्ष
५३	३	रोष	क्रोध
५३	४	प्रतिमा	मूर्ति
५३	७	परमार्थ	पर का हित
५३	१६	निराकार	आकार रहित
५३	२०	भोर	प्रातःकाल
५४	५	आस्तिकता	प्रभु के होने का विश्वास
५४	६	अखूट	न कम होने वाली
५४	११	फोक	नीरस, फीकी
५४	१२	थोथा	व्यर्थ, खोखला
५४	१२	विलाप	रुदन
५४	१६	सोपान	सीढ़ी
५४	१७	ज्ञेय	जिसको जानना हो
५४	१८	हेय	नीच
५५	१	अतः समन्वय	इस लिए मिला हुआ
५५	१०	खड्ग	तलवार
५५	२१	वितर्क	एक तर्क के उत्तर में दिया तर्क, संशय
५५	२४	ऊसर	नोनी भूमि
५६	२	सर	तालाब
५६	३	प्रतिपन्न	पहुंचा हुआ
५६	२१	अनुराग	आसक्ति, प्यार, प्रीति
५६	२२	वेदी	पूजा स्थान
५७	२	विराग	आसक्ति न होना detachment
५७	६	अनुरोध	विनीत भाव से किया गया हठ,
५७	११	जोखम	कठिन कार्य,
५८	६	तदाकार	वैसा ही
५८	१४	उल्लास	प्रकाश, आनन्द

(च)

पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	अर्थ
५६	१	अनाम	जिसका कोई नाम नहीं
५६	१०	अन्तर्मुखी मुद्रा	ध्यान भीतर को मोड़ना,भीतर को देखने वाला posture
५६	११	प्रत्याहार	इन्द्रियों को रोकना
५६	१८	अनाहत नाद	स्वतः होने वालाशब्द
६०	२	अबाध	बिना बाधा, रुकावट
६०	१०	निशा	रात्रि
६०	१२	वेदागम का मर्म	वेद शास्त्रों का रहस्यमय ज्ञान
६०	१८	वाच्य	नामी (परमेश्वर)
६०	१८	वाचक	नाम (परमेश्वर का)
६०	२१	पते की बात	सही बात,मानने वाली
६०	२२	उत्पात	क्लेश
६१	६	निरोध	रोकना
६१	१०	त्राण	बचाव
६१	१५	आह्वान	बुलाना
६२	१२	त्रिदोष	वात, पित्त और कफ से पैदा होने वाले दोष
६२	२१	कोप	क्रोध
६३	१३	आत्मबोध	अपने आप को जानना
६३	१५	करीर	कंटीली, झाड़ी
६३	१६	पनिहार	पानी भरने वाली
६३	२०	लगार	ध्यान, लगन, लगाव
६३	२२	बधिक	शिकारी
६४	१	कन्त	स्वामी, पति
६४	३	स्वसुत	अपना पुत्र
६४	१०	तीर	किनारा
६५	७	धाय	भाग कर
६६	३	ठाठ	सजावट, शान
६६	१४	देहरा	देव वास, नर शरीर
६६	१५	ऐंठन	घमण्ड
६७	२२	सेवा सदन	सेवा का घर
६८	१६	सार ग्राही	वास्तविकता का ग्रहण करने वाला
६८	२१	आधि	मानसिक पीड़ा
६८	२१	व्याधि	शरीर का कष्ट
६८	२२	ईतियां	प्राकृतिक विपदाएं
६९	२२	विषम	जो समभाव में न हो
७०	११	मारीचि	छल कपट
७१	१५	अटवी	वन, जंगल
७२	१८	अबाध	असीम,अपार (बाधा रहित)
७२		अनुताप	पछतावा, पश्चात्ताप
७३	४	उत्ताप	खूब तपाया हुआ, पीड़ित, सन्ताप
७३	१४	सुठौर	अच्छा शरण स्थान
७३	१७	पोट	गठड़ी, पोटली
७३	१८	कथं	कैसे
७३	१८	ओट	शरण
७३	२३	नख-शिख	पैर से सिर तक
७४	४	दाव	दबाव, आधीन Pressure
७४	८	विपाक	परिणाम, कर्मफल
७४	१७	पिशुन	चुगली
७४	२२	निश्शंक	निडर हो कर
७४	२३	आक्षेप	दोष/कलंक लगाना,
७५	६	ठौर	ठिकाना
७५	७	पामर	दुष्ट, अधम
७५	१६	पातक	पाप
७६	१७	परिशोध	पूर्ण शुद्धि, पूरी सफाई
७६	२२	अर्क	रस
७७	६	कपोल	गाल
७७	८	आतुरता	बेचैनी
७७	१२	सुतीर	अच्छा किनारा
७७	१७	नभ	आकाश
७८	२	आठ से	अत्यधिक, आठों पहर
७९	१	पखेरु	पक्षी
८०	१०	ठाठ	रौनक, सजावट

(छ)

पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	अर्थ
८०	११	अस्थि	हड्डी
८०	१४	साख	विरद, धर्म
८०	१७	वेग	तेज़ी से
८०	१८	मेरु	पर्वत
८१	१	सकल ब्रह्माण्ड	सारी सृष्टि
८१	६	अशोक	शोक रहित
८१	१६	तुष्ट	प्रसन्न
८२	२	हठ की हाठ	हठ की दुकान
८३	२	टेव	अभ्यास, आदत, स्वभाव
८३	१०	कमलों वाले	परमेश्वर (विष्णु)
८३	१०	कमली	दीवानी, मस्तानी
८३	२१	बिसवे बीस	पूरा खरा उतरना, निश्चित रुप से
८४	१७	अलख जगाना	भगवान् का तीव्र स्वर में आह्वान करना
८४	२४	मधुकरी	भिक्षा
८५	६	कर	हाथ
८५	६	पाखंड	दम्भ, झूठा घमण्ड
८५	११	नन्दन वन	आनन्दित करने वाला वन जो हमारे भीतर है
८५	१४	मृदु	कोमल
८५	१४	मृणाल	कमल का डंठल जिस में फूल आता है
८५	२१	हान	नष्ट करके
८५	२२	विस्तृत	फैला कर
८६	५	वैभव	सम्पत्ति
८६	६	प्रतिभा	शोभा
८६	१२	कल्पतरु	सब कामनाओं को पूर्ण करने वाला वृक्ष
८६	२२	विधान	प्रबन्ध, व्यवस्था
८७	१२	बांकी कल्म कमान	कठोर चुभने वाले शब्द
८७	२२	पैठ	घुस कर
८७	२३	टोप	घेराव
८७	२४	कलि	पाप, कलह, कलियुग
८८	४	निश्शेष	पूर्ण
८८	१२	मनमुख पन	अपने अनुसार चलना
८८	१२	मोड़ी मूछ मरोड़	घमण्ड की अकड़ को तोड़ना,
८८	१७	रंक	दरिद्र, कंगाल
८९	१	मुमुक्षु	मुक्ति को पाने का इच्छुक
८९	८	सुकृत	अच्छे कर्म, पुण्य
८९	१६	निस्तार	छुटकारा
८९	१९	विमोक्ष	छूटना
९०	११	पैशुन	चुगली
९०	१४	वितण्डावाद	व्यर्थ का विवाद
९०	१६	नुकताचीनी	मीनमेख निकालना, दोष निकालना
९०	२१	(सिर,मस्तक, त्रिकुटी, हृदय, ग्रीवा, नाभि)	ध्यान लगाने के केन्द्र
९१	२	भूप	राजा
९१	३	उत्पादक	पैदा करने वाला
९१	७	अजर	जिसे बुढ़ापा नहीं सताता
९२	१	अधोदिश	नीचे की ओर से
९२	७	मेधा	बुद्धि
९२		अवतरण	कृपा का नीचे उतरना
९२	२०	बीजाक्षर	मूलअक्षर (राम)
९३	११	ध्रुव	पक्की,अचल
९३	१९	तारक	उद्धारक, तारने वाला
९३	२०	उपरि चक्र	आज्ञा, बिन्दु, सहस्रार
९३	२२	साम	समता
९४	७	ध्येय	राम–ध्यान का लक्ष्य
९४	७	ध्याता	ध्याने वाला
९४	७	सुध्यान	ध्यान में पूर्ण एकाग्रता, (concentration)
९४	१०	अभिराम	सुन्दर

(ज)

पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	अर्थ
६४	१३	समाधान	समाधि
६५	१२	पैठ	रीति
६५	२१	पुनर्न	फिर, दोबारा
६७	१२	स्फुरण	विचारों का उठना
६७	१३	उल्कापात	आकाश में तारे का गिरना
६७	१८	विच्छेद	टूटना
६८	४	अरविन्द	कमल
६८	१०	सुपुंज	रोशनी का समूह
६६	२२	हनन विहीना	बिना बजाय, अनाहत
१००	८	अगम	बुद्धि से परे, बहुत गहरा
१००	११	सुषुम्ना	कमल नाल के बीच की नाड़ी—इसी के बीच जागृत कुण्डलिनी ऊपर के चक्रों की ओर गमन करती है।
१००	१२	मूलाधार	तंत्र में तीन कोण वाला एक चक्र
१००	१३	कुण्डलिनी	सर्पाकार सुषुप्त शक्ति नीचे स्थित मूलाधार चक्र में निवास करती है
१००	२४	जैवी	जीव की
१००	२४	शैवी	कल्याणकारी
१०१	१	त्रिवेणी	इड़ा, पिंगला और सुषुम्ना का संगम स्थान (हठयोग)
१०१	२	लिलाट	माथा
१०१	१७	लखूं	देखूं
१०१	२४	लयता	लीन होना
१०२	३	दीवा	दीपक
१०२	३	सुदीपता	चमकता
१०३	१	अस्तित्व	होना
१०३	५	चयोपचय	घटना, बढ़ना
१०३	१२	निरपेक्षित	जो दूसरों के आश्रित न हो
१०३	१७	जन्य	पैदा किये गये हैं
१०४	२	अद्वैत	जिसमें दूसरा न हो
१०४	३	सदृश	के समान, जैसा
१०४	५	अंशांशी	किसी का हिस्सा होना
१०४	६	कार्यकारण	आदि अन्त से परे
१०४	१४	निर्भ्रान्त	doubtless भ्रमरहित
१०४	१५	चिद्घन	चेतना से युक्त
१०४	१७	समुच्चय	सारा
१०४	१६	तेजोराशि	तेज का भंडार
१०४	२०	ज्योति वर्जित	जिस की ज्योति मंद न की जा सके, जिसके तेज को रोका न जा सके
१०४	२१	स्वतः	आप ही
१०५	१	द्रष्टा	देखने वाला
१०५	१३	स्फटिक	शीशा
१०५	१३	प्रतिबिम्ब	परछाई
१०५	२१	निरावरण	स्पष्ट, आवारण रहित
१०५	२४	हस्तामलक	हाथ में आंवले के समान
१०६	१	अतीत	बीता हुआ
१०६	१	अनागत	जो नहीं आया है
१०६	१०	सापेक्षित	दूसरों के आश्रय
१०६	१८	लयोत्पत्ति	नाश-उत्पन्न, बनना-बिगड़ना
१०६	१६	मित	मापा हुआ
१०६	२०	खगोल	नक्षत्र ज्ञान
१०६	२३	तथैव	वैसे ही
१०६	२४	सदैव	सदा ही
१०७	१	याथातथ्य	ज्यों का त्यों होना
१०७	१७	यमन	भ्रमण, घूमें
१०७	२१	अतिशय	बहुत ज़्यादा
१०८	३	निर्बन्ध	अड़चन, रुकावट Restriction
१०८	१७	विषयातीत	विषयों से परे
१०६	१	वैषम्य	असमानता
१०६	१०	गुण त्रैत	तीनों गुण(सत्व,रज,तम)
१०६	१७	मौलिक	असली, किसी की नकल नहीं
१०६	२०	प्रमेय	जो प्रमाण का विषय हो सके

(झ)

पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	अर्थ
११०	२	ईक्ष्ण	देखना
११०	५	अभ्रान्त	स्थिर
११०	१४	निष्क्रिय	कर्मशून्य — ब्रह्म
११०	१८	कम्पित	हिल गया
११०	१६	वेगवती	तेज़
१११	६	विराम	ठहरना, रुकना
१११	१३	गुरुत्वाकर्षण	पृथ्वी की आकर्षण शक्ति, Gravitational power
१११	१५	न्यून	कम
१११	१६	ऊन	कमी
१११	२२	कतरव्यौन्त	कांट छांट
१११	२२	संघात	समूह, collective
११२	१	खेचर	आकाश में उड़ने वाले
११२	१७	द्युलोक	आकाश की
११३	६	मूक	चुप
११३	७	आलोक	प्रकाश
११३	१०	साख	गवाही, साक्षी
११३	११	आकस्मिक	अचानक
११५	२	संयोग	मिलना
११५	४	सन्निधि	समीप होना
११५	८	आकार	शक्ल
११५	१२	निर्बाध	बिना रुकावट
११६	५	क्रम	सिलसिला
११६	५	सुगठित	अच्छा बना हुआ
११७	४	चित्रपट	जिस पर चित्र बनाया जाये, चित्राधार
११७	७	अभिव्यक्ति	प्रकट होना
११७	१४	अवर्ण	बिना रंग के
११७	१७	विरूप	एक रुप से अनेक रुप
११८		अनुभूत	जिसका अनुभव या साक्षात ज्ञान हुआ हो
११८	१६	निर्वाण	शान्ति, मुक्ति
११८	१६	सैद्धांतिक	सिद्धान्त सम्बंधी
११६	३	सुसमाधान	सही हल, उत्तर
१२०	६	दृष्ट	देखी हुई
१२०	६	दान्त	जिसने इन्द्रियों को वश में कर लिया हो
१२०	१४	वार्ता	बातचीत
१२०	१७	विपर्य्य	एक वस्तु का दूसरे स्थान पर होना, उलट-पलट
१२१	४	स्वकृत	अपने किये
१२१	१२	विप्लव	अशान्ति,उथलपुथल
१२१	१८	वर्द्धन	वृद्धि करने वाला
१२१	२२	समर	युद्ध
१२१	२३	प्राकृत	प्रकृति का
१२२	३	नैसर्गिक	स्वाभाविक
१२२	५	सुबौद्धिक	अच्छी बुद्धि से
१२२	५	मनुज	मनुष्य
१२२	५	कृति	कार्य
१२२	६	नियन्ता	चलाने वाला
१२२	१०	परिहारिणी	दोष आदि का निवारण
१२२	११	दैविक	आध्यात्मिक
१२२	१२	शुचिकारिका	पवित्र करने वाली
१२२	१२	दात्री	देने वाली
१२२	१४	अवलोकन	देखना
१२२	१६	प्रभा	आभा, चमक
१२३	१४	दिननाथ	सूर्य
१२४	६	रजनी	रात
१२५	७	सुमृदु	अति कोमल
१२५	७	मंजरी	कोंपल
१२५	७	मंजुल	सुन्दर
१२६	८	पुरश्चरण	किसी अभीष्ट कार्य की सिद्धि के लिए नियमानुसार मन्त्र का जाप या स्तोत्र पाठ
१२६	१६	आसावरी	प्रातः काल के समय गाई जाने वाली एक रागिनी
१२७	२३	मत्स्य	मछली
१२८	५	भूतलाकाश	ज़मीन आसमान

(ञ)

पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	अर्थ
१२६	५	अभिनन्दन	प्रशंसनीय स्वागत,
१२६	१०	सोमाकार	चन्द्रमा की शक्ल
१२६	१६	बिम्ब	गोलाकार सूर्य
१३०	६	उपसंहार	समाप्त
१३०	१७	प्राण पवन	श्वास प्रश्वास
१३०	१७	कुम्भक	प्राणायाम में सांस अन्दर लेकर वायु को रोकना
१३०	१७	रेचक	रोकी सांस विधि से छोड़ना
१३१	३	सुता	पुत्री
१३१	१२	श्यामल	काले
१३१	२२	बड़वानल	समुद्र के भीतर रहने वाली अग्नि
१३२	४	केसरी	शेर
१३२	७	दस्यु	डाकू
१३२	१३	राव,रंक,सुरराज	राजा,भिखारी,इन्द्र
१३३	७	सुरपति	इन्द्र
१३३	७	आरूढ़	चढ़कर
१३४	५	नूतन	नया
१३४	२१	सुकूप	अच्छा कुआं
१३५	२	नागर	नगर में रहने वाले
१३५	१२	तृषित	प्यासे
१३५	१६	दहे	जलाय
१३५	२१	परुष	कठोर
१३६	१४	उपशम	शान्त
१३६	१७	खण्ड	टुकड़े
१३७	१	रजतमय	चांदी का
१३७	१३	तरुराज	बड़े वृक्ष
१३७	२२	ऋतुराज	बसन्त
१३८	६	दशन	दान्त (पंखुड़िया)
१३६	१	अमराई	आम का बाग
१३६	२	तर्जन	दूर करना,फटकारना
१३६	३	षड्ज	सुरसरगम का पहला स्वर 'स'
१३६	७	सुचीर	सुन्दर वस्त्र
१३६	१७	शयन	सोना
१३६	२२	चारु	सुन्दर
१४४	३	नियति	भाग्य, दैववश
१४४	२४	समुन्नति	पर्याप्त उन्नति
१४५	६	परमार्थ	परोपकार
१४६	१	सुमील	जंगली जाति
१४६	१३	रिक्त	खाली
१४६	२१	लघुता	छोटापन
१४७	५	खर	गधा
१४७	१०	निदान	कारण, अन्त
१४६	८	करण	इन्द्रियां
१४६	१६	मर्दन	मालिश
१४६	१६	मज्जन	स्नान
१५१	१०	धक्कमपेल	धक्के मारना और दबाना
१५१	१५	पथ्यापथ्य	खाने योग्य अथवा न खाने योग्य
१५१	१६	तिक्त	तीखा
१५२	१	विहित	उचित
१५३	४	पुरा	पहले, प्राचीन
१५३	१०	आत्मश्लाघा	अपनी प्रशंसा
१५३	२३	समागत	आये हुए
१५४	१	अभ्यागमन	आने पर
१५४	१	समुत्थान	उठकर
१५४	१६	नीचाधम	परम नीच
१५५	१	छिद्र	दोष
१५५	१०	सज्जी	क्षार—स्वच्छ करने का साधन
१५५	१७	दृष्टिपात	अवलोकन, देखना
१५५	१८	विपाक	परिणाम, फल
१५७		पिशुनता	चुगली
१५८	१२	अधोगमन	नीचे को जाना
१५८	२०	आसुरी	राक्षसी
१५८	२३	चाक	चक्र,पहिया

(ट)

पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	अर्थ
१५६	७	अंडबंड	बेमतलब की बात
१६०	१२	भागीरथी	गंगा
१६१	१	भेख	वस्त्रादि पहनने का ढंग, पोशाक
१६१	६	चीन	पहचानना
१६२	१५	आधेय	किसी के सहारे टिकी हुई वस्तु
१६३	७	वत्सल	प्यार करने वाला
१६४	८	अखिल	सारे
१६५	७	गौण	जो मुख्य न हो
१६५	१२	विराट	बहुत बड़ा
१६७	४	द्योत	प्रकाश
१६७	१४	भ्रान्त	भटके
१६७	२१	ऋतम्भरा प्रज्ञा	(सर्वोच्च बुद्धि) सत्य परमात्मा को जानने वाली बुद्धि
१६७	२२	भावी	होने वाला
१७०	१७	कास	खांसी
१७१	७	अस्थिगत	हड्डियों के
१७१	१५	प्रणिधान	समर्पण, अनन्य भक्ति
१७२		प्रबोधन	ज्ञान देना,जगाना
१७२	३	प्रबोधिए	जगाइये
१७२	१८	परिहर	छोड़ना
१७३	७	जपनी	माला
१७३	१५	बीहड़	उबड़ खबड़
१७५	१८	सुचैल	सुन्दर वस्त्रों वाला
१७५	१८	उपाधि	उपद्रव,छलकपट, fraud
१७६	२	पाथ	मार्ग
१७७	१०	आगार	घर, खज़ाना
१७७	१७	मृग-तृष्णाति	ऊसर मैदानों में बड़ी धूप पड़ने पर जल की जो झूठी प्रतीति होती है mirage
१७८	६	दर्पण, आरसी	शीशा
१७८	२३	महामूढ़	महा मूर्ख
१७८	२४	रूढ़	चढ़ा हुआ
१७६	२३	सैन	इशारा
१७६	२३	बैन	वचन,बात
१८१	६	स्व	अपने आप को
१८१	२३	कुसुम्भा	कुसुम के रंग
१८२	७	समन्वय	अर्थ, परिणाम
१८३	१२	गुणग्राम	गुणों का समूह
१८४	१	निरंश	पूर्ण
१८४	६	निर्बाध	बिना रुकावट
१८५	३	द्योतक	प्रकाश करने वाला
१८५	१४	कन्द	मूल
१८७	३	ठाम	स्थान
१६०	५	चिद्रूप	चित्त रुप
१६०	६	अमोघ	अचूक
१६२	६	तरल तरंग	चंचल चलायमान
१६२	११	अयस्कान्त	चुम्बक
१६३	६	सीम	सीमा
१६४	१०	परिणति	अन्त
१६४	१०	विकार	बदलना
१६४	२१	विहंग	पक्षी
१६५	८	विद्यमानता	होना
१६५	१६	तद्वत्	वैसा
१६५	१७	सुषुप्ति	घोर निद्रा
१६५	१६	देही	देह में रहने वाला आत्मा
१६५	२४	काण्ड	छोटा सा भाग
१६६	११	अमन्द	जो कम न हो
१६६	१७	केतु	एक ग्रह जो कर्मों पर कुप्रभाव डालता है
१६७	७	कील	नष्ट करना
१६७	८	पील	निस्तेज करना
१६७	१३	नृगण	नर समूह
१६७	१३	अयन	घर
१६८	१	अस्तेय	चोरी न करना

(ठ)

पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	अर्थ
१६८	२	अपरिग्रह	शरीर की आवश्यकता से अधिक धन का परित्याग
२००	६	शोध	सुधार कर, परित्याग, छोड़ना
२००	१२	पोल	खोखलापन, hollow
२०१	१५	कोक	काम शास्त्र
२०१	१८	वाजीकरण	मादक पदार्थ सेवन करके काम वासना उत्तेजित करना
२०२	६	अणुमात्र	थोड़ी सी
२०२	१२	अक्षोभ	शान्त
२०३	४	राधना	पूजा, साधना करना
२०३	४	रत	लीन, लिप्त
२०३	५	शौच	स्वच्छता
२०३	१४	कुचैल	गन्दे कपड़े डाल कर
२०४	२	अक्षय	स्थायी, अविनाशी
२०५	२४	साम	बराबर जैसे
२०६	११	चिदाकाश	चित्त का आकाश
२०६	१६	सुसाधित	सिद्ध किया हुआ
२०७	१०	आदित्य	सूर्य
२०६	१०	महासुन्न	अचेतन, no sensation
२०६	१६	सुमर्म	भेद
२११	२२	अन्वय व्यतिरेक	भेद भिन्नता को मिटा कर परस्पर सम्बन्ध
२१२	१०	असार	सार रहित,तत्वशून्य
२१३	१	भुक्ति	लौकिक सुख का भोग
२१३	६	सुधृति	धैर्य
२१४	६	ऐंचातानी	विरोध, खींचातानी
२१४	१६	ऊहापोह	मन में होने वाला तर्क वितर्क
२१४	२१	परा	ब्रह्म विद्या, ईश विचार
२१४	२१	अपरा	लौकिक विद्या,कला कौशल
२१५	११	सूक्त	वेद मन्त्रों या ऋचाओं का समूह
२१५	१८	अरिगण	शत्रुओं
२१५	२१	जनत्राता	मनुष्यों को बचाने वाला
२१५	२२	याजक	यज्ञ करने वाला
२१६	२	स्तोत्र	कविता में स्तुति
२१७	६	अघ	पाप
२१८	५	सहोदर	भाई
२१८	५	सुहृद	मित्र
२१८	१३	पाक	पकाने वाली वस्तु
२१८	१५	सुत	पुत्र
२१६	१३	कलिमल	पाप कलुष
२२०	१	म्लेच्छ	नीच, पापी
२२०	३	लेश	अल्प, थोड़ा
२२०	१०	नीका	अच्छा
२२०	१४	सदन	मकान
२२२	८	आशय	वास्तविक अर्थ,भावार्थ
२२३	२१	निशेध	रोक
२२३	२३	वैध	विधि अनुसार
२२४	१	विहित	नियमानुसार
२२५	३	परिछिन्न	अलग किया हुआ निश्चित किया हुआ
२२५	४	अगम्य	बुद्धि से परे
२२५	४	अगोचर	जिस का ज्ञान इन्द्रियों से परे है, अस्पष्ट
२२५	१५	श्रोत्र, चक्षु, घ्राण, त्वचा	कान, आंख, नाक, चमड़ी
२२५	१६	पायु	गुदा, मलद्वार
२२५	१६	उपस्थ	लिंग, योनि
२२५	२३	गूढ़	बहुत अधिक
२२५	२४	तनु पटल	बारीक पर्दा, layer
२२६	२	सुसत्ता	सामर्थ्य
२२६	७	वार्द्धक	बुढ़ापा
२२६	८	देहान्तर	दूसरी देह में जाना
२२६	६	साक्षी	देखने वाला

(ड)

पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	अर्थ
२२७	२	वीतराग	बिना लगाव-राग के
२२७	८	विवेचना	विचारपूर्वक जांचना
२२७	२४	निपट	सरासर
२२८	२	काम्य	जिसकी इच्छा हो
२२८	२	कुकीच	बहुत गन्दा, मलिन
२२८	६	कृपण	नीच, कंजूस
२२८	२०	प्रवीण	चतुर
२२८	२२	बेताल	भूतप्रेत
२२८	२२	विकट	भीषण
२२६	१०	जित-क्रोध	जीता हुआ,वश में किया क्रोध
२२६	१२	अनुगामी	पीछे चलने वाला
२३०	७	निष्ठा	विश्वास, निश्चय
२३०	७	सांख्यवाद	ज्ञान योग महर्षि कपिल कृत एक प्रसिद्ध दर्शन जिस में प्रकृति तथा चेतन पुरुष ही जगत् का मूल माना गया है
२३०	१२	गति	क्रिया करने का संकल्प
२३०	१५	समष्टिरुपा	सामूहिक, collective
२३०	१५	व्यष्टि	व्यक्ति
२३०	१७	नैसर्गिक	स्वाभाविक
२३०	१८	वैषम	असमानता,भांतिभांति
२३०	१६	सुनिरोध	रोकना
२३२	८	ऐक्य	एकता
२३२	१८	परित्राता	बचाने वाला
२३२	२१	जरायु	गर्भ की वह झिल्ली जिस से बन्धा हुआ बच्चा उत्पन्न होता है
२३२	२१	आवरण	ढक देना
२३५	८	ताना-बाना	उलझन, confusion
२३५	१६	रीता	रिक्त, खाली
२३५	१६	काढ़	निकालना
२३८	१	आर्त	दु:खी
२३८	१	जिज्ञासु	जानने की इच्छा रखने वाला
२३८	१	अर्थी	इच्छा रखने वाला
२३८	८	अर्थार्थी	धन सम्पत्ति की इच्छा रखने वाला
२३८	१४	विप्र,श्वपच	ब्राह्मण,चाण्डाल
२३८	२४	सेतू	पुल
२३६	६	समचारी	समान आचरण करने वाला
२३६	१०	नेही	प्यार करने वाला
२४०	१२	आराम	सुख, चैन
२४०	१६	ब्राह्म	ब्रह्म का
२४०	१६	उत्कर्ष	उन्नति
२४२	११	नानोपासना	अनेक प्रकार के उपासना (पूजा) के ढंग
२४२	१३	पूर्त	परमार्थ के काम
२४२	१७	आराम	विश्राम स्थान
२४२	१८	अन्नसत्र	वह स्थान जहां गरीबों को भोजन बांटा जाता है
२४३	१२	पिपासा	प्यास
२४३	१२	जिज्ञासा	जानने की इच्छा
२४४	८	त्रिगुणातीत	तीन गुणों से परे(ब्रह्म)
२४४	१०	अगोचर	जिस का अनुभव इन्द्रियों को न हो
२४४	१५	अद्वैत	प्रकृति और ब्रह्म की एकता
२४४	१५	निरपेक्ष	जो किसी पर आश्रित न हो
२४५	३	अरणी	यज्ञ की लकड़ी
२४५	७	निदिध्यासन	फिर फिर स्मरण करना
२४५	६	भित्ति	दीवार
२४५	१०	मोचनकारी	बंधन आदि से छुड़ाना,मुक्त करना
२४५	१६	ब्रह्मनिष्ठ	ब्रह्म के ध्यान में मग्न रहने वाला

(ढ)

पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	अर्थ
२४५	२०	जितेन्द्रिय	जिसने इन्द्रियों को वश में कर लिया,समवृत्ति वाला
२४६	१	द्वन्द्व	दो वस्तुएं जो एक साथ हों जैसे सुख दुःख duality
२४६	३	वेत्ता	जानने वाला
२४६	१०	दर्शी	देखने वाला
२४६	१४	उद्गीथ	सामवेद के गायन का एक अंग,ओंकार
२४७	१६	सद्रुप	अच्छे स्वरूप वाला
२४८	३	अक्षर	नित्य, अविनाशी
२४८	३	अभय	निर्भय
२४८	३	अखण्ड	संपूर्ण, जिसके टुकड़े न हों
२४८	७	त्वक्	त्वचा
२४८	८	प्रमाता	ज्ञान का ज्ञाता—आत्मा
२४८	१३	अमल	निर्मल, निर्दोष
२४८	१६	निर्बाध	बाधा रहित
२४८	२१	चय	समूह
२४८	२२	पाकज	काला नमक
२४८	२२	विकृत	अस्वाभाविक, जिस में किसी प्रकार का विकार आ गया हो
२४६	२	विवर्जित	बिना, रहित
२४६	१५	घृत	घी
२४६	१७	नेति नेति	न इति, इतना ही नहीं है
२४६	१८	पूले	मूंज आदि के बंधे हुए मुट्ठे
२५०	२	मंजरी	मोती, गुलदस्ता
२५०	१४	समीचीन	ठीक, उचित
२५१	२	विलसे	चमकना
२५१	२	उहापोह	मन में होने वाला तर्क वितर्क (सोच विचार)
२५१	२४	पूर्वापर	आगे पीछे
२५३	२०	अंतरंग	भीतर से अन्दर से
२५४	११	प्रसाद	अनुग्रह, कृपा
२५४	१२	पपोल	समझना,पचाना, assimilate, absorbed
२५५	४	हार्द	ह्रदय का
२५५	५	पुने	छानना
२५७	४	कीच	कीचड़
२५७	७	क्षीण	दुबला, पतला
२५८	१४	मुखर	बहुत बोलने वाला
२५८	१४	रूढ़	चढ़ा हुआ, आरूढ़
२५६	२	वक	बगुला
२६०	३	बासन	बर्तन
२६०	१०	काण्ड	ढेर
२६०	१८	बाट	मार्ग, रास्ता
२६०	२०	व्यभिचारिन	मार्गभ्रष्ट,परपुरुष गामी
२६०	२१	श्लाघा	प्रशंसा, स्तुति
२६१	१	अमान	गर्वरहित,निरभिमान
२६१	१७	वाचाल	बोलने में तेज़
२६३	६	स्यार	गीदड़
२६३	१३	सुकदली कुंज	केलों का मण्डप
२६३	२३	गेर	गिरा कर
२६४	१६	प्रतिपक्षी	विरोधी, परपक्ष वाला
२६५	६	भेत्ता	छिपी हुई बात को जानने वाला
२६५	१०	रसातल	पृथ्वी के नीचे के सात लोकों में से छठा लोक
२६६	१२	वृन्द	समूह
२६७	८	ठेलम ठेल	धक्कम धक्का
२६७	१०	सूत	अच्छा भला, धागा
२६८	१७	चीन्हे	पहचान का लक्षण
२६८	१६	पारख	परखने वाला
२६८	२२	व्याप	अन्तर्गत में समा जाना
२६६	८	द्राक्षा	अंगूर
२६६	६	सैन बैन	संकेत वचन
२७०	१६	प्रोत	Involved घुलामिला
२७३	८	बिलग	अलग अलग

(ण)

पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	अर्थ
२७४	७	बोली ठोली	चोट लगने वाली बात
२७४	११	पुराते	भरना (घाव का)
२७५	५	प्रत्याघात	चोट के बदले चोट
२७५	१७	अत्ता	अनुग्रह, कृपा,
२७८	५	पेरन	पेलना (कष्ट देना सताना)
२७८	८	अत्तार	इत्र निकालने वाला
२७८	१८	वाम	बायें
२७८	२२	बक्रवाद	टेड़ी बात करना
२७८	२२	बान	आदत
२७६	१०	अनुगम	अनुसरण
२७६	१७	स्वस्ति	मंगल, कल्याण
२८०	८	अवज्ञा	आज्ञा न मानना
२८२	२२	जीवनमुक्त	जो जीवन काल में ही आत्मज्ञान होने के कारण सांसारिक बन्धनों से छूट गया हो
२८२	२२	निर्मानी	मान रहित
२८४	५	ऐंचातानी	विरोध, खिंचाखिंची
२८४	५	आनाकानी	सुनी अनसुनी करना
२८५	७	त्रिविध	मानसिक,वाचिक और कायिक thought, speech & action
२८७	२१	वर्ण	रंग
२८७	२१	अरुण	लाल
२८७	२१	तरुण	जवान
२८७	२१	चारु चरण	सुन्दर पैर
२८८	१	दाड़िम	अनार
२८८	१५	मिथिलेश	राजा जनक
२८६	२	अदीन	बलवान, दैन्य भाव से रहित
२८६	१	अवधूत	साधू, संन्यासी
२८६	१	कोपीन	लंगोटी
२८६	१४	अर्घ्य	भेंट,पूजा की सामग्री
२८६	२३	अगम्य	बुद्धि की पहुंच से बाहर
२६०	१६	उपकरण	सामग्री
२६०	२२	भृत्य	नौकर
२६१	१२	भीत	डर गया
२६३	१५	नाम्नी	नाम वाली
२६३	१६	अशनि	वज्र, बिजली
२६३	२१	अवधूता	संन्यासिनी
२६५	६	देहाध्यास	देह धर्म को ही आत्मा समझने का भ्रम
२६५	१४	पंचशिख	कपिल मुनि के पुत्र
२६५	२१	दुई	अपने को दूसरे से अलग समझना
२६६	१६	अष्टावक्र	आठ अंगों से टेढ़ा, एक मुनि
३००	७	विहंगम	पक्षी जैसी
३०२	७	तितिक्षा	सर्दी गर्मी सहन करने की शक्ति, क्षमा
३०३	२२	भक्त निधान	परमभक्त,भक्त शिरोमणि
३०५	२२	आगर	खान
३०६	२	ज्योत्स्नाशारदी	शरद ऋतु के चन्द्रमा का प्रकाश
३०६	३	भानु प्रभा	सूर्य की ज्योति
३०६	६	निरीहा	कामना रहित,विरक्त
३०७	१०	कटुकटाक्ष	कड़वा, व्यंग आक्षेप
३०७	१४	दिग्गज	बहुत बड़े
३०७	१४	निरुतर	जो उत्तर न दे सके
३०६	१४	जस	यश fame
३०६	२०	उपरता	विरक्त, वैरागिन
३१३	७	चपलावत्	बिजली की तरह चंचल
३१५	१	भेखी	भेद जानने वाला
३१५	१८	सुसीम	शीतला, ठण्डा
३१६	१	पंडा	बुद्धि,ज्ञान बुद्धि
३१६	१०	पुष्कल	बहुत सर्वश्रेष्ठ
३१६	२२	शुक	तोता

(त)

पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	अर्थ
३१७	६	आपाधापी	तृप्ति के लिए उपद्रव
३१७	११	अभ्यागत	अतिथि,सामने आया हुआ
३१७	१४	अनुज	छोटा भाई, लक्ष्मण
३१७	२१	बखेड़ा	व्यर्थ विस्तार,आडम्बर
३१८	१	भव्य	सुन्दर, योग्य
३१८	१२	उत्	उस ओर
३१८	१२	टंका	संशय
३१६	२	लघुतर	बहुत छोटा
३१६	२३	प्रासादी	कृपा, दयालुता
३१६	२४	परिग्रह	धन आदि का संचय
३२१	७	पत्तन	नदी के किनारे नौका ठहरने का स्थान
३२२	१३	चोखी	शुद्ध, उत्तम, श्रेष्ठ
३२४	२४	कृतकृत्य	अति कृतज्ञ होना
३२७	६	अंगांगी	शारीरिक
३२७	२१	गेह	घर
३२८	१४	सहस्त्रचतुर्दश	चौदह हज़ार
३२६	२	क्रमण	हमला
३२६	१२	रजनीचर	रात को चलने वाले राक्षस
३२६	२२	सुवेत्ता	ठीक जानने वाला
३३२	१७	समूचा	सारा
३३४	१३	अलेख	जिसका वर्णन न हो सके
३३५	७	रंजक	आनन्ददायक
३३५	८	कूपाराम	कूआं और बाग
३३५	१६	अर्ध सम्मिलित	आधे बन्द
३३६	३	शिविकारूढ़	पालकी पर चढ़कर
३३६	६	पग	कदम
३३६	११	विषम	असमान, ठीक नहीं
३३७	१६	कलोल	आमोद प्रमोद
३३८	२	प्रणिपात	चरणों में सिर नवाना, प्रणाम
३३६	३	बोधे	जगायें
३४२	१४	विरता	रहित
३४२	१४	कुशील	असभ्य, अशिष्टता
३४३	१०	समिधा	यज्ञ के लिये लकड़ी
३४३	१६	अबेर	देर, विलम्ब
३४४	१	प्रयाण	इस लोक को छोड़ दूसरे लोक को जाना
३४५	११	उपमा	आदर्श उदाहरण
३४६	५	तीक्ष्ण	बहुत तेज़
३४७	१७	प्रतिभास	दृश्य appearance
३४८	११	अपवर्ग	मोक्ष, मुक्ति
३४८	११	सर्ग	संसार (जन्म-मरण)
३५५	१४	विपाक	फल, परिणाम
३५६	७	खिसयाने	क्रुद्ध, खीजना
३५६	८	गोप	छिपाना
३६०	७	उत्थान	ऊपर उठने की क्रिया उन्नति
३६१	११	सुधूम	सुगन्ध
३६५	१	अभ्यागमन अभ्युत्थान	उठ कर आगे चल कर
३७१	६	मोहन हनन उच्चाटनकारी	मोहित, (हनन व पृथक करने वाला)
३७१	२१	श्रान्त	थका हुआ
३७२	१६	स्वागम	अपना आना
३७८	८	भ्रूण हत्या	गर्भ के शिशु की हत्या
३७८	१२	कुरेख	बुरी लकीरें
३८०	२४	अशोक	शोक रहित
३८१	७	अटन	घूम
३८२	६	गुर्जर	गुजरात
३८२	१६	अन्तेवासी	गुरु के पास रहने वाले, चेले
३८२	२२	विसर्ग	व्याकरण में वह चिन्ह जो किसी वर्ण के आगे लगाया जाता है (:)

(थ)

पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	अर्थ
३८३	१७	कर	टैक्स
३८३	२१	कूटनीति	छिपी हुई चाल,दावपेंच
३८३	२२	कटी	कमर
३८५	१५	व्यंग	ताना
३८६	२	निमित्त	यन्त्र, कारण, नाम मात्र के लिए,असली कर्त्ता न हो
३८६	२२	पौना	कम, ऊना
३८७	२०	देहरे	देवालय, मन्दिर
३८८	७	भ्रान्तिमय	भ्रम में डालने वाली
३८८	८	गर्दभ	गधा
३८८	८	श्रृंग	सींग
३८८	८	खपुष्प	आसमान का फूल, असंभव या अनहोनी घटना
३८६	१६	अवहेलना	अपमान
३६२	८	त्राटक	टिकटिकी लगा कर देखना
३६२	२३	पांति	कतार, पंक्ति
३६३	२२	माता	मस्त
३६५	५	सूदन	यध करने वाला
३६५	१२	महौषधि	अच्छी दवाई
३६७	६	रमणी	सुन्दरी
३६७	२०	पंछनी	पक्षी
४००	१०	अमंग	भजन, गीत
४०१	२२	कथक्कड़	खूब किस्से कहानी कहने वाले
४०२	३	इतर	दूसरा
४०२	२१	ठठेरा	बर्तन बनाने वाला,कसेरा
४०३	१८	सुफाग	सुन्दर रंग
४०५	२	चेहरे	दास, गुलाम
४०६	४	अनशन	बिना खाना खाये
४१०	१६	सुगात	अच्छे शरीर वाला
४११	८	वन्द्यः	पूजनीय, वन्दनीय
४११	१६	नय	नीति
४१२	३	सुकंकण	कड़ा
४१२	११	कुनिशा नैराश	निराशा की काली रात
४१२	१८	आततायी	अत्याचार करने वाला
४१३	१७	पैने	तीखे
४१३	२२	हेकड़ी	उग्रता, अक्खड़पन
४१७	५	एकैक	एक एक कर के
४१७	१७	मधुमान	प्रसन्न
४२०	१	समाधानता	ध्यान, समाधि
४२०	६	अंगीकृत	अपनाये हुए
४२०	१०	प्रतिभा	प्रभा असाधारण, मानसिक शक्ति की चमक से
४२१	५	सौम्य	भक्त, उपासक, सुशील
४२१	२२	कृतकृत्य	सफल मनोरथ
४२२	१४	प्रसुप्ति	नींद
४२३	१६	अपान	श्वास का बाहर निकलना
४२४	१	योग क्षेम	अप्राप्त वस्तु की प्राप्ति और प्राप्त वस्तु की रक्षा
४२५	७	पर्यटन	घूमना
४२६	१५	दसनामी	संन्यासियों के दस भेद, तीर्थ, आश्रम, वन, अरण्य, गिरि, पर्वत, सागर, सरस्वती, भारती, पुरी
४२७	६	वाणी विलास	शब्दों का छलावा
४२७	८	विडम्बना	उपहास, नकल
४२६	१	पैशाचिक	क्रूर कर्म करने वाला आततायी
४२६	१४	आकृति	शक्ल
४२६	१६	सन्नद्ध	तैयार
४३३	१७	पाशविक	पशुओं जैसे, नीच
४३४	३	हृदय विदारण	हृदय को चीरने वाला
४३६	२	कूटस्थ	सर्वोपरि सदा एक जैसा रहने वाला
४३६	२१	मध्याह्नपर्यन्त	दोपहर तक
४४२	२०	मृगया	शिकार
४४४	१०	संकुल	पूर्ण
४४६	१	शीतलोपचार	ठंडक पहुंचाने की क्रिया

(द)

पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	अर्थ
४४८	२०	लीचड़	आलसी, निक्कमा जल्दी पीछा न छोड़ने वाला
४४६	११	अनायास	बिना प्रयास, अचानक, बैठे बिठाये
४४६	१६	षट्कर्म	ब्राह्मण के छः काम, पढ़ना, पढ़ाना,यज्ञ करना,यज्ञ कराना, ज्ञान लेना, ज्ञान देना
४५०	१७	अद्वितीय	जिस जैसा दूसरा न हो
४५१	१४	वर्णनातीत	बयान नहीं की जा सकती
४५२	१३	स्नायु	नसें
४५२	१४	मज्जाजाल	गुद्दा जो हड्डी की नली में होता है
४५२	१८	हस्ताक्षेपी	दूसरों की दखल अंदाज़ी
४५५	२३	श्रवण-श्रावण	सुनना सुनाना
४५६	६	निःस्पृही	कामना रहित
४५६	१७	प्रस्थान-त्रय	उपनिषद्, श्रीमद्भगवद्गीता, ब्रह्मसूत्र
४५७	६	अहंत्वं	मैं तुम
४६१	३	अप्रतिम	जिसके समान कोई दूसरा नहीं हो, बेजोड़
४६३	२५	अतिसार	दस्त
४६४	१६	रुपहरी	चांदी जैसी
४६५	१	शाक्य मुनि	महात्मा बुद्ध
४६५	८	आक्रान्त	जिन पर हमला हुआ हो
४६५	१५	संस्कृत	अच्छे संस्कार डालकर
४६६	१५	अधया	आधा हो गया
४६७	४	अनभिज्ञ	अनजान, कुछ नहीं जानते
४६७	७	पामरपन	नीचता
४६८	१६	पाथेय	रास्ते के लिए खाना
४७०	७	प्रासाद	महल
४७१	१२	संकट संकुल	संकट पूर्ण
४७१	२२	जगन्नियन्ता	जग को चलाने वाला
४७१	२२	नियति	विधान
४७३	१५	विराम	रुके
४७३	१६	निरुपण	अनुभवी वर्णन
४८०	१४	बलिवैश्वदेव	भूत यज्ञ नामक पांच यज्ञों में से चौथा भूतयज्ञ गृहस्थ के पांच यज्ञों में से एक
४८१	१२	पौर्णमास	पूर्णमासी के दिन होने वाला यज्ञ
४८२	१८	शाक्त	शक्ति के उपासक
४८४	१५	वागीश	धुरंधर वक्ता an eloquent speaker
४८५	२४	पादाक्रान्त	पांव द्वारा कुचलना trodden by feet
४६०	१३	निबड़	घोर
४६०	१८	समुद्यत	तैयार
४६०	२१	उपार्जन	कमाना
४६१	२०	कलेवर	शरीर, देह
४६२	१५	मुग्ध	आसक्त, मोहित
४६३	६	क्लिष्ट	कठिन
४६३	१३	सार्वभौम	विश्वव्यापी
४६४	२	इष्टानिष्ट	शुभ-अशुभ
४६६	२०	परिणत	बदल जाना
४६७	११	शीतपात	सर्दी, पाला
४६६	५	प्रवृत्ति	मन का किसी ओर को होने वाला झुकाव, रुझान
५००	१	आप्तजन	जिन्होंने प्रभु को पा लिया है
५०४	२३	परिषद्	धार्मिक सभा समाज
५०५	२०	निस्सरण	निकलने की क्रिया
५०६	८	शुश्रूषा	सेवा
५०८	१४	पुरातत्व विभाग	पुराने खंडहरों की देख रेख करने वाला विभाग Archaeology department
५०६	४	भग्नावशेष	टूटे हुए ruins

(ध)

पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	अर्थ
५१०	६	अतिक्रम	उल्लंघन
५१०	६	व्यतिक्रम	क्रम में उल्टफेर करना
५१०	१०	दिव्यदृष्टि	वह अलौकिक दृष्टि जिस से गुप्त पदार्थ दिखाई दें
५१०	१७	शर्म्मन्	सुख देने वाला
५१२	६	उदीच्य	उत्तर की दिशा का
५१२	११	व्यवस्था	किसी काम का विधान जो शास्त्रों आदि के द्वारा निर्धारित हुआ हो, प्रबन्ध
५१४	५	अधःपतन	नीचे गिरना
५१५	४	निष्णात	बहुत अच्छा ज्ञाता, विशेषज्ञ, निपुण
५१६	४	क्षन्तव्य	क्षमायोग्य
५१६	२१	परायण	लीन, तत्पर लगे हुए
५२०	२३	किरकिरापन	कंकरीला, रंग में भंग
५२१	६	दैववशात्	अचानक,भाग्य के अनुसार
५२१	१५	ढकोसला	आडम्बर, कपट,
५२२	१३	वनराज	शेर
५२२	१६	रजनीराज्य	रात्री
५२५	१५	स्वात्म	अपने
५२६	१०	निर्विशेषवाद	निर्गुणवाद
५२६	१५	शून्यवाद	बौद्धों का सिद्धान्त जिस में ईश्वर को कुछ भी नहीं माना जाता
५२६	१५	अनिवर्चनीयवाद	जिसका वर्णन नहीं किया जा सकता
५२७	३	त्रिपुटी	तीन वस्तुओं का समूह, ज्ञेय-ज्ञाता-ज्ञान
५२६	२१	पराकाष्ठा	चरम सीमा, हद
५३०	५	बोदे	जो दृढ़ न हो, जिस की बुद्धि तेज़ न हो
५३१	६	प्रत्यक्ष	जो सामने हो
५३१	६	परोक्ष	जो दीखता नहीं
५३२	६	भुवन-भावन	सृष्टि को आनन्दित करने वाला
५३२	१६	तरुणता	जवानी
५३५	१६	मरणभिमुख	मरने वाले
५३८	२३	श्रावक	बौद्ध संन्यासी, भिक्षु जैन धर्म अनुयायी
५३६	१७	हत-प्रतिहत	मारे गये और ज़ख्मी
५४०	१६	गड्ड मड्ड	घपला
५४१	१०	उन्मत्त प्रलाप	पागलों के समान कही हुई व्यर्थ की बकवाद
५४८	६	अर्हन्त	पूजनीय बुद्ध साधु
५४८	१०	आक्षेप	आरोप,दोष
५५१	२१	कृमि	कीड़े
५५३	१२	विकराल	भयानक, डरावना
५५५	१७	तथागत	गौतम बुद्ध
५५६	१५	चर	गुप्तचर, जासूस
५५८	६	पर चक्र	शत्रु, सैन्य,
५५६	२२	उपकरण	सामग्री, सामान
५६५	१८	यत्किंचित	यह किसी प्रकार से
५६६	३	साक्षात्कृत	देखा हुआ है
५६६	११	परम्परा	सिलसिला क्रम
५६६	१५	कारावास	जेल
५७२	१२	पुष्कल	बहुत अधिक,पर्याप्त
५७५	१०	लोकैषणा	मान की इच्छा
५७५	२३	अभियोग	मुकद्दमा
५७६	१०	गमनागम	आने जाने का क्रम
५७६	१३	आर्तनाद	दुःख से चिल्लाना
५७७	४	समदृष्टि	सब को एक समान देखने वाला
५७८	१०	जायस्व म्रियस्व	पैदा होने वाला, मरने वाला
५७८	१०	पुण्योपार्जन	पुण्य कर्मों को इकट्ठा करना
५८०	३	प्रमाद	आलस्य
५८७	५	प्रदर्शिनी	नुमाइश
५८७	१८	प्रयाण	जाते हुए

(न)

पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	अर्थ	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	अर्थ
५८८	१४	उपार्जन	कमाना				
५८८	२	मर्मभेदी प्रहार	हार्दिक कष्ट पहुंचाने वाला आक्रमण, हृदय को छूने वाली बात				
५६०	२२	देशाटन	देशों में घूमना				
५६१	२	याजकों	यज्ञ करने वालों को				
५६३	१८	निहित	छिपा हुआ				
५६४	४	अपत्य प्रेम	बच्चों से प्रीति				
५६४	६	शार्दूल	शेर				
५६५	१२	प्रतिमा	मूर्ति				
५६७	२५	वैमनस्य	मन मुटाव				
५६६	१७	हितेच्छुक	हित चाहने वाला				
६००	५१६	परितृप्ति	पूर्ण संतुष्टि				